



भारत का गज़त The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY.

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्रधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 143] नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 10, 1993/फाल्गुन 19, 1914

No. 143] NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 10, 1993/PHALGUNA 19, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वो जाती है कि सभी यह पृष्ठ संख्याएँ को हमें
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be held as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(गज़त विभाग)

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 मार्च, 1993

ब्याज-कर

का. आ. 161 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, ब्याज-दर अधिनियम, 1974 (1974
का 45) की धारा 28 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, भारतीय रिजर्व बैंक
की भिकारिण पर, यह राय होने पर किएमा करना जोकहित में आवश्यक और समीचीन

है, उक्त अधिनियम की धारा 2 के खंड (5क) के उपखंड (1) में निर्दिष्ट बैंककारी कपनी द्वारा, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए गए मार्गदर्शक मिडिलों को ध्यान में रखते हुए, किसी नियन्त्रिकरण को निर्यात उधार के रूप में दिए गए ऋण और उधारों पर। अप्रैल, 1993 को या उसके पश्चात् ऐसी बैंककारी कपनी को प्रोटोकॉल या उद्भूत व्याज को व्याज-कर के उद्घारण से छुट देती है।

[म 9241/133/40/93-टीपीएल]

डी पी मेम्बरल, अवर मन्त्रिव

MINISTRY OF FINANCIAL
 (Department of Revenue)
 CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES
 NOTIFICATION
 New Delhi, the 10th March, 1993
 INTEREST-TAX

S.O. 161(E).—In exercise of the powers conferred by section 28 of the Interest-tax Act, 1974 (45 of 1974), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, being of opinion that it is necessary and expedient so to do in the public interest, hereby exempts interest, accruing or arising on or after the 1st day of April, 1993 to any banking company referred to in sub-clause (1) of clause (5A) of section 2 of the said Act on loan and advances made by it, having regard to the guidelines issued by Reserve Bank of India, to any exporter as export credit, from levy of interest-tax.

[No 9241/133/40/93-1PL]

D. P. SEMWAL, Under Secy